

प्रेषक,

उत्पल कुमार सिंह
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन,

सेवा में,

निदेशक,
उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण, उत्तराखण्ड
उद्यान भवन, चौबटिया-रानीखेत।

उद्यान एवं रेशम अनुभाग-1:

देहरादून दिनांक: 14 मार्च, 2008

विषय:- चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 से राज्य में मौसम आधारित सेब फसल बीमा लागू किये जाने के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषय के सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उत्तराखण्ड राज्य की भौगोलिक परिस्थितियों एवं शीतोष्ण जलवायु फल उत्पादन के लिये उपयुक्त होने के दृष्टिगत राज्य के पर्वतीय क्षेत्रों में शीतोष्ण फल सेब का उत्पादन बहुतायत में किया जा रहा है। सेब की उत्पादकता मौसम के कारकों के प्रति अतिसंवेदनशील है। वर्तमान परिपेक्ष्य में जलवायु परिवर्तन से मौसम कारकों का सेब उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने के कारण बहुधा काश्तकारों को वांछित आर्थिक लाभ नहीं मिल पाता है। सेब विशेषज्ञों के मतानुसार निर्धारित शीतता का अभाव, तापमान का उतार-चढ़ाव, वर्षा की मात्रा तथा ओलावृष्टि सेब की उत्पादकता, उत्पादन तथा गुणवत्ता को प्रभावित करते हैं। अतएव वर्तमान में मौसम कारकों की अनिश्चितता के कारण काश्तकारों को संभावित आर्थिक क्षति से बचाये जाने के उद्देश्य से श्री राज्यपाल महोदय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 से राज्य में मौसम आधारित सेब फसल बीमा योजना निम्न दिशा-निर्देशों एवं प्रतिबन्धों के साथ लागू किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- 1- उक्त योजना का नाम "उत्तराखण्ड सेब बीमा योजना" रखा जाता है।
- 2- यह योजना एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कम्पनी ऑफ इण्डिया लिमिटेड (ए.आई.सी.आई.एल.), क्षेत्रीय कार्यालय, 9 वी. हिल ब्यू कॉलोनी, इन्द्रानगर, देहरादून के सहयोग से निदेशक, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण, उद्यान भवन, चौबटिया-रानीखेत के प्रावैधिक नियन्त्रण में चलाई जायेगी। जिस हेतु बीमा कम्पनी के सक्षम प्राधिकारी तथा राज्य सरकार के प्राधिकारी के रूप में निदेशक, उद्यान के मध्य विधिवत् अनुबन्ध पत्र (एमओयू) भी निष्पादित किया जायेगा।
- 3- इस योजना के कुशल क्रियान्वयन के लिये निदेशक, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण, उद्यान भवन, चौबटिया-रानीखेत को नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाता है।

Q

4- उक्त योजनान्तर्गत राज्य के सेब उत्पादक क्षेत्रों को दो जोन में विभक्त किया गया है। जोन-I में उत्तरकाशी, चमौली एवं पिथौरागढ़ तथा जोन-II में टिहरी, रुद्रप्रयाग, पौड़ी, देहरादून, नैनीताल, चम्पावत एवं अल्मोड़ा जनपद सम्मिलित किये गये हैं। जोनवार टर्म शीट क्रमशः परिशिष्ट-1 एवं परिशिष्ट-2 के अनुसार मौसम कारकों एवं पेड़ की आयु के आधार पर प्रति पेड़ प्रीमियम एवं बीमित धनराशि का निर्धारण निम्नानुसार किया गया है :-

क्र० सं०	बीमा के घटक	वृक्ष की आयु के अनुसार प्रीमियम दर प्रति वृक्ष (रुपये में)		कुल बीमित धनराशि प्रति वृक्ष (रुपये में)	
		05-14 वर्ष	15-50 वर्ष	05-14 वर्ष	15-50 वर्ष
1	अभिशीतता	4.38	8.75	175	350
2	तापमान का उतार-चढ़ाव	1.25	2.50	50	100
3	वर्षा की मात्रा	1.87	3.75	75	150
4	ओला वृष्टि	5.00	10.00	200	400
	योग	12.50	25.00	500	1000

यदि कोई काश्तकार उपरोक्त चार घटकों को सम्मिलित करते हुए सेब के पेड़ का बीमा कराता है, तो काश्तकार को 05 से 14 वर्ष आयु के वृक्ष के लिए रुपये-12.50 तथा 15 से 50 वर्ष आयु के वृक्ष के लिए अधिकतम रुपये-25.00 प्रति वृक्ष प्रीमियम दिया जाना होगा। इसी प्रकार किसी काश्तकार को ऊपर वर्णित सभी घटकों के सापेक्ष 05-14 वर्ष तथा 15-50 वर्ष की आयु के वृक्ष पर क्रमशः अधिकतम रुपये-500.00 एवं रुपये-1000.00 की प्रतिपूर्ति देय होगी। दावों के निस्तारण के मानक तथा सीमा परिशिष्ट-1 एवं 2 में उल्लिखित हैं।

प्रतिबन्ध यह है, कि बीमा प्रीमियम व बीमा प्रस्ताव के लिए पेड़ों की संख्या व उम्र की, राजस्व अभिलेखों के साथ-साथ उद्यान विभाग के सचल दल केन्द्र द्वारा दिये गये अभिलेख/सत्यापन के आधार पर पुष्टि की जायेगी, तथा दावा भी तदनुसार ही आंकलित किया जायेगा।

5- यह सेब फसल बीमा योजना पूर्ण रूप से राज्य सरकार की योजना है। एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कम्पनी आफ इण्डिया लिमिटेड उक्त योजना के लिए मात्र एक क्रियान्वयन अभिकरण होगी। राज्य सरकार द्वारा बीमा कम्पनी को इस कार्य के प्रशासनिक व्यय हेतु एकमुश्त रुपये-5.00 लाख की धनराशि वार्षिक उपलब्ध कराई जायेगी।

6- मौसम सम्बन्धी आंकड़े यथा-अभिशीतता, तापमान, वर्षा, आदि के आंकड़े प्राप्त किये जाने हेतु बीमा कम्पनी द्वारा 12 स्थानों पर स्वचालित मौसम केन्द्र (आटोमैटिक वेदर स्टेशन) की व्यवस्था करवाई जाएगी। इन स्वचालित मौसम केन्द्रों से प्राप्त आंकड़ों को बीमा कम्पनी द्वारा संकलित कर उद्यान विभाग को भी उपलब्ध कराया जायेगा। मौसम सम्बन्धी आंकड़ों का बीमा सम्बन्धी दावा

1

निस्तारण के साथ-साथ उद्यान विभाग द्वारा भी उपयोग में लाया जा सकेगा। स्थापित होने वाले स्वचालित मौसम केन्द्रों के रख-रखाव हेतु वार्षिक किराये के रूप में बीमा कम्पनी को रु.-50,000.00 (रुपये पचास हजार मात्र) प्रति केन्द्र की दर से भुगतान राज्य सरकार द्वारा किया जायेगा। राज्य के तीन स्थानों पर भारतीय मौसम विभाग द्वारा पूर्व से ऐसे केन्द्र स्थापित किये गये हैं, जिनसे आवश्यकतानुसार मौसम कारकों के आंकड़े भी एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कम्पनी ऑफ इंडिया लिमिटेड क्षेत्रीय कार्यालय देहरादून द्वारा संकलित कर उद्यान विभाग को उपलब्ध कराया जाता रहेगा तथा इन आंकड़ों का दावा निस्तारण में उपयोग किया जाएगा। योजनान्तर्गत स्थापित किये जाने वाले 12 स्वचालित मौसम केन्द्रों तथा पूर्व से स्थापित 03 मौसम केन्द्रों की जिलावार/सेब उत्पादन क्षेत्रवार चिह्नित स्थानों का विवरण परिशिष्ट-3 पर संलग्न है।

7- योजनान्तर्गत प्राप्त निबल प्रीमियम (Net Premium) पर पूर्ण अधिकार राज्य सरकार का होगा। प्रीमियम से प्राप्त धनराशि बैंक में जमा किये जाने पर उसके सापेक्ष प्राप्त होने वाले ब्याज पर भी पूर्ण अधिकार राज्य सरकार का होगा। क्षति पूर्ति दावों के भुगतान का दायित्व भी राज्य सरकार का होगा। किसी वर्ष काश्तकारों से प्राप्त प्रीमियम से समस्त दावों का निस्तारण करने के पश्चात् अवशेष धनराशि मध्य ब्याज आगामी वर्षों में दावों के निस्तारण में उपयोग किया जायेगा। एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कम्पनी ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा इस प्रयोजन हेतु एक पृथक् खाता संचालित किया जायेगा, जिसमें अवशेष का विवरण समय-समय पर राज्य सरकार को उपलब्ध कराया जायेगा। किसी वर्ष में इस खाते में उपलब्ध धनराशियों से भुगतान के पश्चात् दावे अवशेष रह जाते हैं, तो राज्य सरकार के द्वारा यह वित्तीय भार उस सीमा तक वहन किया जाएगा।

8- दावों के निस्तारण में स्वचालित मौसम केन्द्रों से उपलब्ध अभीशीतता, तापमान तथा वर्षा संबंधी डाटा उस केन्द्र से जुड़े क्षेत्र के लिए उपयोग किया जाएगा। दावों का निस्तारण वास्तविक उत्पादन के आधार पर न करके मौसम आधारित आंकड़ों पर किया जायेगा। केवल ओलावृष्टि के प्रकरण में प्रस्तर-8 के अनुरूप कार्यवाही की जायेगी।

9- ओलावृष्टि से संबंधित दावों के निस्तारण हेतु सम्बन्धित जनपद के जिलाधिकारी की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया जायेगा। इस समिति में उद्यान विभाग, कृषि विभाग एवं राजस्व विभाग के सक्षम अधिकारियों के साथ-साथ एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कम्पनी ऑफ इंडिया लिमिटेड के प्रतिनिधि को भी सम्मिलित किया जायेगा। समिति के द्वारा इस तथ्य की पुष्टि की जायेगी, कि बीमित क्षेत्रफल ओला से प्रभावित हुआ है, अथवा नहीं, तथा इसी की संस्तुति के आधार पर ही बीमित सेब उत्पादकों को दावा राशि का भुगतान किया जाएगा। दावा निस्तारण करते समय उत्पादन में वास्तविक ह्रास अथवा नुकसान आधार नहीं लिया जायेगा।

१

- 10- सम्बन्धित क्षेत्र के जिलाधिकारी की अध्यक्षता में एक जिला स्तरीय मॉनिटरिंग समिति का गठन भी किया जायेगा। इस समिति में जिलाधिकारी अध्यक्ष, जिला उद्यान अधिकारी सदस्य सचिव, तथा क्रियान्वयक अभिकरण (एग्रीकल्चर इश्योरेंस कम्पनी ऑफ इंडिया लिमिटेड, क्षेत्रीय कार्यालय, इन्द्रानगर, देहरादून, उत्तराखण्ड) के प्रतिनिधि सदस्य के रूप में नामित किये जायेंगे। यह समिति योजना की मासिक प्रगति की समीक्षा करेगी। यह समिति सबन्धित क्षेत्र के खण्ड विकास अधिकारियों एवं बहुवदेशीय कर्मियों की इस योजना में पूरी सहभागिता हेतु प्रभावी निर्देश भी निर्गत करेगी।
- 11- अधिसूचित जनपदों में योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार एग्रीकल्चर इश्योरेंस कम्पनी ऑफ इंडिया लिमिटेड, क्षेत्रीय कार्यालय, 9 बी, हिल ब्यू कॉलोनी, इन्द्रानगर, देहरादून, उत्तराखण्ड/उद्यान निदेशालय, चौबटिया-रानीखेत द्वारा किया जाएगा।
- 12- योजना का एक वर्ष के क्रियान्वयन का मूल्यांकन/समीक्षा नियोजन विभाग से कराई जायेगी और तदनुसार ही योजना को अग्रोत्तर धालू रखने का निर्णय सक्षम स्तर से लिया जायेगा।
- 13- निदेशक उद्यान, उत्तराखण्ड द्वारा एग्रीकल्चर इश्योरेंस कम्पनी ऑफ इंडिया लिमिटेड, क्षेत्रीय कार्यालय, 9 बी, हिल ब्यू कॉलोनी, इन्द्रानगर, देहरादून से योजना के क्रियान्वयन हेतु विधिवत एमओआयू का आलेख्य समयबद्ध तरीके से शासन के अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जायेगा।
- 14- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-541-A(P)/XXVII-4/2007, दिनांक-10 मार्च 2008 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक-यथोपरि।

भवदीय,

(उत्पल कुमार सिंह)
सचिव।

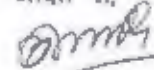
संख्या: 282 /XVI/08/9(39)/130/2003 तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. प्रमुख सचिव एवं आयुक्त, वन एवं ग्राम्य विकास, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून।
2. निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड।
3. स्टाफ आफिसर, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून।
4. प्रमुख सचिव, राजस्व/वित्त, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून।
5. सचिव, कृषि विभाग/नियोजन विभाग/सहकारिता विभाग, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून।
6. आयुक्त, कुमाऊँ मण्डल, नैनीताल/गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
7. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
8. समस्त मुख्य विकास अधिकारी, उत्तराखण्ड।
9. कृषि निदेशक, कृषि निदेशालय, नन्दा की चौकी, प्रेमनगर, देहरादून।
10. निदेशक, मण्डी, उत्तराखण्ड, नवीन मण्डी स्थल, बरेली रोड, देहरादून।
11. संयुक्त कृषि निदेशक, सांख्यिकी एवं फसल बीमा, कृषि निदेशालय, उत्तराखण्ड, नन्दा की चौकी, प्रेमनगर, देहरादून।
12. श्री एम. प्रसाद, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एग्रीकल्चर इश्योरेंस कम्पनी ऑफ इंडिया लिमिटेड, तेहरवीं मंजिल, अम्बाद्वीप बिल्डिंग, कस्तूरबा गौंधी मार्ग, नई दिल्ली।
13. श्री कै. के. गुप्ता क्षेत्रीय प्रबंधक, एग्रीकल्चर इश्योरेंस कम्पनी ऑफ इंडिया लिमिटेड, क्षेत्रीय कार्यालय, 9वीं हिल व्यू कलोनी, इंदिरा नगर, देहरादून।
14. समस्त जिला उद्यान अधिकारी, उत्तराखण्ड।
15. निदेशक, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
16. प्रभारी, मीडिया सेंटर, सचिवालय परिसर, देहरादून।
17. गार्ड फाईल।

संलग्नक:-परिशिष्ट-1, 2 एवं 3

आज्ञा से,



(अर्जुन सिंह)

अपर सचिव।

टर्म सीट (जोन-I)

जोन-I	जनपद	सेब उत्पादन क्षेत्र	स्वचालित मौसम केन्द्र
	उत्तरकाशी, चमोली, पिथौरागढ़	स्पारी, हर्षिल, नौगाँव, आराकोट, साँकरी, नैटवार, जोशीमठ, कैलाशपुर, जेलम, मलारी, तपोवन, हेलंग, भटका, बौना-तोमिक	पूर्व से स्थापित- हर्षिल,जोशीमठ। नये स्थापित होने वाले-बड़कोट,भटवारी, भटका एवं बौना-तोमिक।

कवर 1 : अभिशीतता की आवश्यकता (Chilling Requirement)

उद्देश्य: शीतकालीन अभिशीतता की आवश्यकता के कारण प्रभावित सेब उपज को सुरक्षा प्रदान करना।

बीमा अवधि: 15 नवम्बर से 15 मार्च तक

चिल यूनिट का एकत्रीकरण:

प्रति घण्टा तापमान की रेंज	<1.4	1.4 से <2.4	2.4 से <9.1	9.1 से <12.4	12.4 से <15.9	15.9 से <18	>=18
चिल यूनिट	0	0.5	1	0.5	0	-0.5	-1

ट्रीगर (स्लैब प्रारम्भ) 1400 चिल यूनिट

कुल भुगतान (100%) 1200 चिल यूनिट

आयु सीमा	5-14 वर्ष	15-50 वर्ष
बीमित राशि प्रति वृक्ष	रु0 175	रु0 350
प्रति वृक्ष प्रति चिल यूनिट भुगतान	रु0 0.88	रु0 1.75
प्रीमियम राशि प्रति वृक्ष	रु0 4.38	रु0 8.75

कवर 2 : तापमान में उतार चढ़ाव (Temperature Fluctuations)

उद्देश्य: पुष्पासन के समय तापमान में उतार चढ़ाव के कारण प्रभावित सेब उपज को सुरक्षा प्रदान करना।

बीमा अवधि: 24 मार्च से 7 मई तक

डेवियएसन यूनिट: $\sum [\text{तापमान अधिकतम (n)} - 24.0] + \sum [7.0 - \text{तापमान न्यूनतम (n)}]$

ट्रीगर (स्लैब प्रारम्भ) 20 यूनिट

कुल भुगतान (100%) 60 यूनिट

आयु सीमा	5-14 वर्ष	15-50 वर्ष
बीमित राशि प्रति वृक्ष	रु0 50	रु0 100
प्रति वृक्ष प्रति यूनिट भुगतान	रु0 1.25	रु0 2.50
प्रीमियम राशि प्रति वृक्ष	रु0 1.25	रु0 2.50

12

कवर 3 : वर्षा की आवश्यकता (Rainfall Requirements)

उद्देश्य: विभिन्न अवस्थाओं पर वर्षा की कुल मात्रा में कमी के कारण प्रभावित सेब उपज को सुरक्षा प्रदान करना।

आयु सीमा	5-14 वर्ष	15-50 वर्ष
बीमा अवधि	1 मई से 15 जुलाई	1 मई से 15 जुलाई
ट्रीगर (मिमी०)	350	350
100% भुगतान (मिमी०)	100	100
भुगतान प्रति मिमी० (रु०)	0.30	0.60
बीमित राशि (रु०)	75	150
अधिकतम बीमित राशि प्रति वृक्ष (रु०)	75	150
प्रीमियम राशि प्रति वृक्ष (रु०)	1.87	3.75

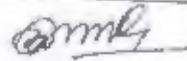
कवर 4 : ओलावृष्टि (Hail Damage)

उद्देश्य: विभिन्न अवस्थाओं पर ओलावृष्टि से प्रभावित सेब उपज को सुरक्षा प्रदान करना।

आयु सीमा	5-14 वर्ष			15-50 वर्ष		
बीमा अवधि	15 मार्च से 30 अप्रैल	1 मई से 31 मई	1 जून से 15 जून	15 मार्च से 30 अप्रैल	1 मई से 31 मई	1 जून से 15 जून
बीमित राशि के अनुसार भुगतान (%)	80%	50%	25%	80%	50%	25%
अधिकतम भुगतान प्रति अवस्था (रु०)	160	100	50	320	200	100
कुल बीमित राशि (रु०)	200			400		
अधिकतम भुगतान सभी अवस्थाओं के लिये (रु०)	200			400		
प्रीमियम (रु०)	5			10		
कुल बीमित राशि (रु०)	500			1000		
कुल प्रीमियम (रु०)	12.50			25.00		

आवश्यक शर्तें

- सेवा कर प्रीमियम के साथ अतिरिक्त प्रभार होगा। वर्ष 2007-08 के लिए सेवा कर 12.36 % है।
- पॉलसी टर्मशीट के अनुसार भुगतान देय होगा।
- संदर्भित स्वचालित मौसम केंद्रों से प्राप्त मौसम के आंकड़े ही क्षतिपूर्ति भुगतान के लिए मान्य होंगे। संदर्भित स्वचालित मौसम केंद्रों के अलावा दूसरे मौसम केंद्रों से प्राप्त मौसम के आंकड़े क्षतिपूर्ति भुगतान के लिए मान्य नहीं होंगे।
- संदर्भित स्वचालित मौसम केंद्रों से योजना में शामिल मौसम कारकों के लिए उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर भुगतान किया जायेगा। दावों की राशि किसी भी तरह से बीमित सेब उत्पादकों के कम उत्पादन से संबंधित नहीं होगी।
- दावा भुगतान मौसम संबंधी आंकड़े प्राप्त होने के 30 दिन के अंदर कर दिया जायेगा।



(अर्जुन सिंह)

अपर सचिव।

टर्म सीट (जोन-II)

जोन-II	जनपद	सेब उत्पादन क्षेत्र	स्वचालित मौसम केन्द्र:
	नैनीताल, देहरादून, रूद्रप्रयाग, टिहरी, पौड़ी, अल्मोड़ा एवं चम्पावत	रामगढ़, पहाड़पानी, भटेलिया, भरतौला, मुक्तेश्वर, धानाचूली, चकराता, त्यूनी, कोटी, काथियान, भक्कू, चम्बा, धनौली, पौली, शहरफाटक, खेतीखान	पूर्व से स्थापित- रानीचौरी। नये स्थापित होने वाले-सतबूंगा,चकराता, काथियान रामपुर, धनौली, मांडाखाल, शहरफाटक,खेतीखान।

कवर 1 : अभिशीतता की आवश्यकता (Chilling Requirement)

उद्देश्य: शीतकालीन अभिशीतता की आवश्यकता के कारण प्रभावित सेब उपज को सुरक्षा प्रदान करना।

बीमा अवधि: 15 नवम्बर से 15 मार्च तक

चिल यूनिट का एकत्रीकरण:

प्रति घण्टा तापमान की रेंज	<1.4	1.4 से <2.4	2.4 से <9.1	9.1 से <12.4	12.4 से <15.9	15.9 से <18	>=18
चिल यूनिट	0	0.5	1	0.5	0	-0.5	-1

ट्रीगर (स्लैब प्रारम्भ) 1200 चिल यूनिट

कुल भुगतान (100%) 1000 चिल यूनिट

आयु सीमा	5-14 वर्ष	15-50 वर्ष
बीमित राशि प्रति वृक्ष	रु0 175	रु0 350
प्रति वृक्ष प्रति चिल यूनिट भुगतान	रु0 0.88	रु0 1.75
प्रीमियम राशि प्रति वृक्ष	रु0 4.38	रु0 8.75

कवर 2 : तापमान में उतार चढ़ाव (Temperature Fluctuations)

उद्देश्य: पुष्पासन के समय तापमान में उतार चढ़ाव के कारण प्रभावित सेब उपज को सुरक्षा प्रदान करना।

बीमा अवधि: 24 मार्च से 7 मई तक

डेवियेशन यूनिट: $\sum [\text{तापमान अधिकतम (n)} - 24.0] + \sum [7.0 - \text{तापमान न्यूनतम (n)}]$

ट्रीगर (स्लैब प्रारम्भ) 40 यूनिट

कुल भुगतान (100%) 80 यूनिट

आयु सीमा	5-14 वर्ष	15-50 वर्ष
बीमित राशि प्रति वृक्ष	रु0 50	रु0 100
प्रति वृक्ष प्रति यूनिट भुगतान	रु0 1.25	रु0 2.50
प्रीमियम राशि प्रति वृक्ष	रु0 1.25	रु0 2.50

कवर 3 : वर्षा की आवश्यकता (Rainfall Requirements)

उद्देश्य: विभिन्न अवस्थाओं पर वर्षा की कुल मात्रा में कमी के कारण प्रभावित सेब उपज को सुरक्षा प्रदान करना।

आयु सीमा	5-14 वर्ष	15-50 वर्ष
बीमा अवधि	1 मई से 15 जुलाई	1 मई से 15 जुलाई
ट्रीगर (मिमी०)	350	350
100% भुगतान (मिमी०)	100	100
भुगतान प्रति मिमी० (रु०)	0.30	0.60
बीमित राशि (रु०)	75	150
अधिकतम बीमित राशि प्रति वृक्ष (रु०)	75	150
प्रीमियम राशि प्रति वृक्ष (रु०)	1.87	3.75

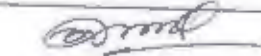
कवर 4 : ओलावृष्टि (Hail Damage)

उद्देश्य: विभिन्न अवस्थाओं पर ओलावृष्टि से प्रभावित सेब उपज को सुरक्षा प्रदान करना।

आयु सीमा	5-14 वर्ष			15-50 वर्ष		
बीमा अवधि	15 मार्च से 30 अप्रैल	1 मई से 31 मई	1 जून से 15 जून	15 मार्च से 30 अप्रैल	1 मई से 31 मई	1 जून से 15 जून
बीमित राशि के अनुसार भुगतान (%)	80%	50%	25%	80%	50%	25%
अधिकतम भुगतान प्रति अवस्था (रु०)	180	100	50	320	200	100
कुल बीमित राशि (रु०)	200			400		
अधिकतम भुगतान सभी अवस्थाओं के लिये (रु०)	200			400		
प्रीमियम (रु०)	5			10		
कुल बीमित राशि (रु०)	500			1000		
कुल प्रीमियम (रु०)	12.50			25.00		

आवश्यक शर्तें

1. सेवा कर प्रीमियम के साथ अतिरिक्त प्रभार होगा। वर्ष 2007-08 के लिए सेवा कर 12.36 % है।
2. पॉलसी टर्मशीट के अनुसार भुगतान देय होगा।
3. संदर्भित स्वचालित मौसम केन्द्रों से प्राप्त मौसम के आंकड़े ही क्षतिपूर्ति भुगतान के लिए मान्य होंगे। संदर्भित स्वचालित मौसम केन्द्रों के अलावा दूसरे मौसम केन्द्रों से प्राप्त मौसम के आंकड़े क्षतिपूर्ति भुगतान के लिए मान्य नहीं होंगे।
4. संदर्भित स्वचालित मौसम केन्द्रों से योजना में शामिल मौसम कारकों के लिए उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर भुगतान किया जायेगा। दावों की राशि किसी भी तरह से बीमित सेब उत्पादकों के कम उत्पादन से संबंधित नहीं होगी।
5. दावा भुगतान मौसम संबंधी आंकड़े प्राप्त होने के 30 दिन के अंदर कर दिया जायेगा।



(अर्जुन सिंह)
अपर सचिव।

शासनादेश संख्या:-²⁸²/XVI/08/9(39)/130/2003 दिनांक- 14 मार्च, 2007 का परिशिष्ट-3

योजनान्तर्गत स्थापित किये जाने वाले तथा पूर्व से स्थापित स्वचालित मौसम केन्द्रों का विवरण

क्र०सं०	जनपद का नाम	सेब उत्पादक क्षेत्र	चिन्हित स्थान
1	उत्तरकाशी	स्यारी, हर्षिल, नौगोंव, आराकोट, सांकरी, नैटवार,	1-हर्षिल (पूर्व से स्थापित), 2-बड़कोट, 3-भटवारी
2	चमोली	जोशीमठ, कैलाशपुर, जेलम, मलारी, तपोवन, हेलंग,	जोशीमठ (पूर्व से स्थापित)
3	पिथौरागढ़	भटका, बौना-तोमिक	1-भटका, 2-बौना-तोमिक
4	नैनीताल	रामगढ़, पहाड़पानी, भटेलिया, भरतोला, मुक्तेश्वर, धानाचूली	सतबूंगा
5	देहरादून	चकराता, त्यूनी, कोटी, काधियान	1-चकराता 2-काधियान
6	रूद्रप्रयाग	मक्कू	रामपुर
7	टिहरी	चम्बा, धनील्टी	1-रानीचौरी (पूर्व से स्थापित), 2-धनील्टी
8	पौड़ी	पौली	मांडाखाल
9	अल्मोड़ा	शहरफाटक	शहरफाटक
10	चम्पावत	खेतीखान	खेतीखान

(अर्जुन सिंह)
अपर सचिव।